एन आर ई जी एस की योजना और कार्यान्वयन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
(23-28 जून, 2008)

अध्ययन सामग्री

कार्यक्रम दल

डॉ. के. हनुमंत राव
डॉ. वी. सुरेश बाबू
डॉ. आलम

मजदूरी रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन केन्द्र
राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान
(ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार)
राजेन्दनगर, हैदराबाद - 500 030

विषयवस्तु

क्र.सं	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	प्रमुख राज्यो मे एन आर ई जी एस का कार्यनिष्पादन	1-8
2.	संस्थाओं की भूमिका - राज्य रोजगार गारंटी परिषद - पंचायत राज संस्थान - सर्तकता और मानिटरिंग समिति	9-17
3.	एन ई आर जी ए के कार्यान्वियन मे पी आर आई - पी आर आई ए अध्ययन के निष्कर्ष	18-33
4.	एन आर ई जी एस के अधिसूचित अतिकरक्त जिलो द्वारा प्राथमिकता आधार पर सम्पूरित महत्वपूर्ण क्रियाकलापों की जॉच सूची	34-37
5.	व्यापक प्राकृतिक संसाधन प्रबंध योजना	38-53
6.	पारदर्शिता और जवाबदेहिता : जन सतर्कता और सामाजिक लेखा परीक्षा	54-77
7.	सामाजिक लेखा परीक्षा	78-82
8.	एन आर ई जी ए मे भ्रष्टाचार : मिथस और एक सच्चाई	83-85
9.	एन आर ई जी ए की सफलता के लिये आवश्यक अभिशासन सुधार	86-87
10.	एन आर ई जी ए की सफल कहानियॉ	88-91
11.	जम्मू और कश्मीर में एन आर ई जी ए पर सी ए जी रिपोर्ट	92-99
12.	छह पी ए सी एस कार्यक्रम राज्यो में एन आर ई जी एस कार्यान्वियन	100-102
13.	चर्चा के लिये एन आर ई जी एस के मुददे	103-108

" अनुसूचित जाति का विकास : दृष्टिकोण, नीतियाँ एवं कार्यक्रम "

पर पाठ्यक्रम

21-26 जुलाई, 2008

पाठ्यक्रम सामग्री

समानता एवं सामाजिक विकास केन्द्र
राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान
राजेन्दनगर, हैदराबाद - 500 030

विषयवस्तु

क्र.सं	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	अनूसूचित जातियों की रूप-रेखा - एससीडीएफसी अध्ययन रिपोर्ट	1-25
2.	भारत में दलितों की स्थिति मुकुल शर्मा	26-33
3.	दलित, आदिवासी एवं मिलिनियम विकास लक्ष्य (एम.डी.सी.): भूले बिसरे उपाय	34-61
4.	विकेंद्रित शासन और दलित - मही पाल	62-67
5.	दलितों की शिक्षा : साक्षरता से परे - आर मांझी	68-76
6.	आधिकारिता एवं विषमता कम करने का कार्यकम - अस्पृश्यों के लिए यह अभी काफी दूर है. - सुखदेव थोरट	77-99
7.	महाराष्ट्र राज्य में हस्त सफाई के कार्य में मेहतर व्यवसायी का सामाजिक आर्थिक सार - डॉ0 एच0 बेक - श्रीमान शैलेश कुमार दारोकर	100-119
8.	दलित महिलाओं का सशक्तिकरण : भूत एवं भविष्य - डॉ. टी. ब्रह्मानंदम[1]	120-135
9.	अस्पृष्यता भारत में दलितों का निवारण - स्मिता नरूला	136-152

	- मार्टिन मकवान	
10.	मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के संदर्भ में परंपरागत जन्म परिचारक की सेवा सुपुर्दगी पर प्रशिक्षण का प्रभाव - डॉ. टी. ब्रह्मानंदन	153-166

विषयवस्तु

क्र.सं	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	अनूसूचित जातियों की रूप-रेखा - एससीडीएफसी अध्ययन रिपोर्ट	1-25
2.	भारत में दलितों की स्थिति मुकुल शर्मा	26-33
3.	दलित, आदिवासी एवं मिलिनियम विकास लक्ष्य (एम.डी.सी.): भूले बिसरे उपाय	34-61
4.	विकेंद्रित शासन और दलित - मही पाल	62-67
5.	दलितों की शिक्षा : साक्षरता से परे - आर मांझी	68-76
6.	आधिकारिता एवं विषमता कम करने का कार्यकम - अस्पृश्यों के लिए यह अभी काफी दूर है. - सुखदेव थोरट	77-99
7.	महाराष्ट्र राज्य में हस्त सफाई के कार्य में मेहतर व्यवसायी का सामाजिक आर्थिक सार डॉ0 एच0 बेक[2] श्रीमान शैलेश कुमार दारोकर[3]	100-119
8.	दलित महिलाओं का सशक्तिकरण : भूत एवं भविष्य डॉ. टी. ब्रह्मानंदम[4]	120-135

---

[2] रीडर, ग्रामीण एवं शहरी विकास विभाग ।

[3] व्याख्याता, शहरी अध्ययन एकक, टाटा इंस्टीच्यूट ऑफ सोशल साइंस, मुम्बई, भारत

[4] यह पत्र महात्मा गांधी नेशनल इंस्टीच्यूट एंड रिसर्च एंड सोशल एक्शन द्वारा हैदराबाद में दिनांक 14 एवं 15 मार्च, 2006 को आयेजित राष्ट्रीय सेमिनार में पेश किया गया

9.	अस्पृष्यताभारत में दलितों का निवारण - स्मिता नरूला [5] - मार्टिन मकवान[6]	136-152

[5] ह्यूमन राइट वाच, न्यूयार्क में वरिष्ठ अनुसंधानकर्ता

[6] भारत में दलित मानवाधिकार के लिए राष्ट्रीय अभियान के संयोजक,नई दिल्ली